Cash Study - 1

कौशल विकास से व्यवसाय की ओर बढा कदम

ग्राम बोटीकनेरा जिला मुख्यालय से 20 किलोमीटर दूर नारायणपुर विधानसभा विकासखण्ड कोण्डागांव के दूर स्थित है, दूरस्थ क्षेत्र होने के कारण इस क्षेत्र के कम ही व्यक्ति व्यवसाय के लिये निकल जाते है इस मामले में श्री संतोष कुमार पोयाम पिता श्री सुदर्शन पोयाम अपवाद है इनके द्वारा मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत 2013 में अंत्यावसायी उधमी प्रशिक्षण केन्द्र चिखलपुटी कोण्डागांव में इलेक्ट्रानिक ट्रेड का प्रशिक्षण लिया गया।

प्रशिक्षण उपरान्त अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति कोण्डागांव में लोन के लिये चयन किया गया। स्मॉल बिजनेस योजना वर्ष 2014 में 1.00 लाख हेतु इन्हे इलेक्ट्रानिक व्यवसाय हेतु ऋण प्रदान किया गया। आज वह कौशल का उपयोग कर अपने छोटे से इलेक्ट्रानिक दुकान को ग्राम बोटीकनेरा में संचालित कर रहा है।

Cash Study - 2

मलसाय नौकर से मालिक बना

ग्राम बनियागांव राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर कोण्डागांव से 7 किलोमीटर दूर स्थित है यहां ज्यादातर मुरिया जाति के लोग के लोग निवास करते है। चूकि यह ग्राम कोण्डागांव से लगा हुआ है, इसलिए यहां के लोग ज्यादातर कोण्डागांव स्थित दुकान में काम करने जाते है। इसी तरह काम करने वाले में एक श्री मलसाय पोयाम पिता श्री मन्दुराम पोयाम जाति मुरिया ग्राम–बनियागांव का निवासी है, अनुसूचित जनजाति स्मॉल बिजनेस योजना अंतर्गत वर्ष 2014–15 में इसका चयन किया गया। श्री मलसाय पोयाम कोण्डागांव में स्थित एक कपडा दुकान में 1500.00 रू. प्रतिमाह नौकरी करता था। अनुसूचित जनजाति स्मॉल बिजनेस योजना के तहत उसे 3.00 लाख लागत इकाई का ऋण स्टेशनरी/फोटो कापी दुकान के लिए दिया गया है।

आज इस दुकान से श्री मलसाय पोयाम को प्रतिमाह 8000.00 रू. का आय प्राप्त हो रहा है, ऋण प्रतिमाह जमा करने के बाद भी आज स्वयं सम्मान के साथ अपना जीवन यापन कर रहा है। श्री मलसाय पोयाम का कहना है कि अंत्यावसायी विभाग के योजना से मैं नौकर से मालिक बन गया। और इससे अधिक से अधिक लोगो को लाभ लेना चाहिए। ताकि स्वरोजगार की ओर अपना कदम बढा सकें।

Cash Study - 3

ट्रेक्टर ट्राली ने बदली तस्वीर

ग्राम बरकई फरसगांव से 5 किलोमीटर दूर जिला मुख्यालय से 35 किलोमीटर दूर स्थित है, यहां आदिवासी बहुत गांव है यहां गोण्ड आदिवासी श्री फूलसिंह मरकाम पिता स्व.श्री मंगलुराम मरकाम जाति गोण्ड ग्राम बरकई तहसील माकडी का चयन मार्च 2013 में अनुसूचित जनजाति ट्रेक्टर ट्राली योजना में हुआ श्री फूलसिंह के नाम से कुला 6.90 एकड जमीन है, सभी कनूनी औपचारिकता पूरा करने के बाद सन् 2013 के लोक सुराज अभियान के दौरान माननीय मुख्यमंत्री श्री रमनसिंह महोदय के हाथों श्री फूलसिंह मरकाम को ट्रेक्टर ट्राली प्रदान किया गया था जिसका ऋण राशि 7.25 लाख (हितग्राही अंश सहित) है। आज ट्रेक्टर के कारण वे अपने खेती में मक्का व सब्जी का खेती कर लाभ प्राप्त कर रहे है, प्रतिमाह सब्जी में 30 हजार तक आज प्राप्त कर लेते है।

श्री फूलसिंह का कहना है कि यदि किसान मेहनत करे तो सरकार की जनकल्याणकारी योजना को लेकर अपना जीवन सुधार सकते है। अंत्यावसायी की इस ट्रेक्टर ट्राली योजना ने उन्हे एक सफल किसान बनाया। ट्रेक्टर केवल तीन साल में वे अपने ऋण से मुक्त हो क्षेत्र में एक सफल किसान के रूप में माने जाते है।

Cash Study - 4

जहां बैंक नही वहां पहुंचता है अंत्यावसायी

ग्राम मर्दापाल कोण्डागांव से 30 किलोमीटर दूर स्थित यह क्षेत्र दूरस्थ क्षेत्र है वहां नारायणपुर क्षेत्र से लगा होने के कारण नक्सल गतिविधि से प्रभावित आसपास के लिए बडा बाजार है इस ग्राम मर्दापाल के एक 25 वर्षीय युवक श्री अमलेश बेलसरिया पिता श्री लक्ष्मीनारायण बेलसरिया का चयन अनुसूचित जनजाति स्मॉल बिजनेस योजना लागत इकाई 3.00 लाख के लिए चयन किया गया। इसे क्षेत्र में राष्ट्रीयकृत बैंक भी ऋण देना नही चाहते, 2015 में 3.00 लाख की इकाई से चल रहे उसका कपडा दुकान से आज वो अच्छा लाभ प्राप्त कर अपना काम को बढा रहा है।

श्री अमलेश बेलसरिया अपना ऋण भी समय में जमा कर रहा है। श्री अमलेश का कहना है कि आज अंत्यावसायी के कारण वह यह अवसर पा सका, जहां बैंक अवसर नही दे पाता वहां यह विभाग अवसर उपलब्ध कराता है।